



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30-6-24	6	1-4

## • हकृवि में 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट' का किया उद्घाटन पराली, डंडल व छिलके जैसे अपशिष्ट पदार्थों से बनाए जाएंगे मूल्यवर्धक उत्पाद

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया।

यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. बीआर काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंडल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए।

बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं। पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोप्यूल उत्पादन के लिए कृषि

खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया

गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हकृवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटैश की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धतुरे के पत्ते मिलाकर डालने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30-6-24	4	1-2

### हकृवि में कृषि अवशेषों जैसे पराली अपशिष्टों से बनेगी जरूरी वस्तुएं



एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए। • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाइ) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला के बारे में बताया कि यह लैब विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके एवं अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। इनमें बायोगैस, बायोइथेनाल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पालिफिनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीआक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं और पालिहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स एवं पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न बोजकों का उपयोग किया जा रहा है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30-6-24	4	7-8

### प्रयोगशाला और बायोगैस प्लांट का कुलपति ने किया उद्घाटन



एचएयू में लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संस्थान

#### माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर कम करना है।

प्रो. कांबोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिसमें कृषि अवशेषों

जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि एचएयू ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है।

संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब केसरी	30-6-24	4	4-8

# 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब' कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है।

प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए

इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफोनील्स जौ एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि

वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूटे का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है।

इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी

आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है।

इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	30-6-24	16	3-8

### कुलपति ने किया प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट का किया उद्घाटन

# किसानों के लिए वरदान बनेगी अपशिष्ट मूल्यांकन लैब

हरिभूमि न्यूज | हिंसार



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. कम्बोज ने शनिवार को उद्घाटन अवसर पर बताया कि बायोमेथनेशन एवं

अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि

अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं

### आठ व धतूरे के पत्ते भी गुणकारी

डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी को पूरा करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हकूवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सल्ट्री में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटैश की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आठ या धतूरे के पत्ते मिलाकर डालने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता।

बनाई जाएगी। इनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफेनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूटे का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है।

### जिला स्तरीय समारोह आज

हिसार। मुख्यमंत्री वाणीय आवास योजना, डॉ. बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना व विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को गूठ जंमेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में वित्त सहायता के प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। उपायुक्त प्रदीप बहिया ने बताया कि 30 जून दोपहर 2 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर स्वास्थ्य एवं नागरिक उद्घरण मंत्री डॉ. कमल गुप्ता होंगे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहें	30.6.24	6	48

उद्घाटन

हकूवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट का किया उद्घाटन

# प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों से बनेगी मूल्यवर्धक वस्तुएं

- डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को बनाया सह प्रभारी
- बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी: काम्बोज



हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए

उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना

इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए, बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोप्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है।

हिसार(सच कहें न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन

किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफोनेल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा

किया जाता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

नम छोर

29.06.2024

--

--

## हकृवि में किया प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट का उद्घाटन

नम-छोर न्यूज 11 29 जून

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमेथेनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है।

प्रो. काम्बोज ने बायोमेथेनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला के बारे में बताया कि यह लेब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफेनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोवसीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया

जाता है। इस लेब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्टी अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग

किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हकृवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

सिटी पल्स

29.06.2024

--

--

## 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब' कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में भूमिका निभाएगी : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट' का किया उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है।

प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे परासी, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफेनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए

पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोधिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोप्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संरक्षित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य

उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के

अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की ऊर्जा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी को पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इकृवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटैशम की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धतूरे के पत्ते मिलाकर डलने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे न्यूज

29.06.2024

--

--

## हकृवि में 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट' का किया उद्घाटन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) की वित्तीय सहायता से पुननिर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल



उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हकृवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को

संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धतुरे के पत्ते मिलाकर डालने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30-6-24	5	4-8

# बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी : काम्बोज

हिसार, 29 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में

कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए।

बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है।

इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी को पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हकूवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार

किया है जो ताजे गोबर से चलते संशोधित गोबर गैस प्लांट को ल से जगह व पैसे की लागत से डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के जोड़कर गैस की मात्रा व खाद गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटेश की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धतुरे के मिलाकर डालने से खेत में कीड़े बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता। अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।